कानपुर, गुरुवार, 05 मार्च, 2026 वर्ष: 03, अंक: 59, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड हिंद महासागर में अमेरिकी टॉरपीडो हमला ...>Pg12

झगड़े और हादसों में 100 से ज्यादा लोग अस्पताल पहुंचे..>Pg03

मूल्य: 2 ₹

बिहार में नितीश युग का अंत!

नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए भरा नामांकन, अमित शाह की मौजूदगी से तेज हुई सत्ता परिवर्तन की अटकलें

स्वराज इंडिया ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में संभावित सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। नामांकन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी ने इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया है। इस कदम को बिहार की सत्ता संरचना में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल, कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सार्वजनिक रूप से यह इच्छा व्यक्त की थी कि वे आगामी चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाहते हैं। उनके इस बयान के सामने आने के बाद से ही बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई थी। अब उनके द्वारा औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल कर देने से राजनीतिक अटकलों को और बल मिल गया है।

इससे पहले उनके बेटे रितेश कुमार ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर संकेत देते हुए लिखा था कि उनके पिता राज्यसभा जाने वाले हैं। उस समय इसे लेकर सियासी हलकों में चर्चा शुरू हुई थी, लेकिन अब नामांकन दाखिल होने के बाद यह चर्चा वास्तविक राजनीतिक घटनाक्रम का रूप ले चुकी है।

नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी को भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह संकेत हो सकता है कि इस फैसले पर राष्ट्रीय स्तर पर भी सहमति बनी है। इससे यह संभावना भी जताई जा रही है कि बिहार में जल्द ही मुख्यमंत्री पद को लेकर नई राजनीतिक कवायद शुरू हो सकती है।

इस घटनाक्रम के बीच राजधानी पटना में जदयू कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी सामने आई। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और कुछ जगहों पर तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं। कार्यकर्ताओं का कहना था कि यदि नीतीश कुमार राज्य की सक्रिय राजनीति से हटकर राज्यसभा जाते हैं तो इससे पार्टी और सरकार दोनों की दिशा बदल सकती है।

राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि यदि नीतीश कुमार राज्यसभा सदस्य बनते हैं तो बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर नया समीकरण बनना लगभग तय माना जा रहा है। फिलहाल राज्य में जदयू और भाजपा के गठबंधन वाली एनडीए सरकार है, ऐसे में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर दोनों दलों के भीतर चर्चा तेज होने की खबरें सामने आ रही हैं।

नीतीश कुमार पिछले दो दशकों से अधिक समय से बिहार की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे हैं। कई बार सत्ता परिवर्तन और गठबंधन बदलाव के बावजूद उन्होंने लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद संभाला है। ऐसे में उनका राज्यसभा की ओर कदम बढ़ाना उनके राजनीतिक सफर का एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि इससे न केवल बिहार की राजनीति बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी नए समीकरण बन सकते हैं।

एक नजर में...

- मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया
- नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे
- एक्स पर पहले ही राज्यसभा सदस्य बनने की इच्छा जाहिर कर चुके थे नीतीश
- बेटे रितेश कुमार की पोस्ट से पहले ही तेज हो गई थीं अटकलें
- पटना में जदयू कार्यकर्ताओं का विरोध, कई जगह प्रदर्शन और नारेबाजी
- बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर नया समीकरण बनने की संभावना
- एनडीए के भीतर नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज

बिहार के अब तक के मुख्यमंत्री

क्रम	नाम	कार्यकाल
1.	श्रीकृष्ण सिंह	1946 - 1961
2.	दीप नारायण सिंह	1961
3.	बिनोदानंद झा	1961 - 1963
4.	के. बी. सहाय	1963 - 1967
5.	महामाया प्रसाद सिन्हा	1967 - 1968
6.	सतीश प्रसाद सिंह	1968
7.	बी.पी. मंडल	1968
8.	भोला पासवान शास्त्री	1968, 1969, 1971
9.	हरिहर सिंह	1969
10.	दरोगा प्रसाद राय	1970
11.	कर्पूरी ठाकुर	1970-71, 1977-79
12.	केदार पांडेय	1972-73
13.	अब्दुल गफूर	1973-75
14.	जगन्नाथ मिश्रा	1975-77, 1980-83, 1989-90
15.	राम सुंदर दास	1979-80
16.	चंद्रशेखर सिंह	1983-85
17.	बिंदेश्वरी दुबे	1985-88
18.	भगवत झा आजाद	1988-89
19.	सत्येंद्र नारायण सिन्हा	1989-90
20.	लालू प्रसाद यादव	1990-1997
21.	राबड़ी देवी	1997-2005
22.	नीतीश कुमार	2000, 2005-2014, 2015-वर्तमान
23.	जीतन राम मांझी	2014-2015

(नोट: बिहार में कई बार राष्ट्रपति शासन भी लागू रहा है)

क्या संकेत दे रहा है यह घटनाक्रम?

सत्ता संतुलन में संभावित बदलाव

- यदि नीतीश कुमार राज्यसभा जाते हैं तो बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर नया शक्ति संतुलन बन सकता है। इससे भाजपा की भूमिका और अधिक प्रभावशाली होने की संभावना भी जताई जा रही है।

चुनावी रणनीति का हिस्सा

- राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला आगामी चुनावों की रणनीति से जुड़ा हो सकता है, ताकि एनडीए नए चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतर सके।

जदयू में नेतृत्व का नया सवाल

- नीतीश के राज्यसभा जाने की स्थिति में जदयू के भीतर नए नेतृत्व को लेकर चर्चा तेज हो सकती है। इससे पार्टी के अंदरूनी समीकरण बदलने की भी संभावना है।

राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ेगी भूमिका

- राज्यसभा पहुंचने के बाद नीतीश कुमार की भूमिका बिहार तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय राजनीति में अधिक सक्रिय हो सकती है, जिससे वे केंद्र की राजनीति में भी प्रभाव बढ़ा।

सूखे नशे के तस्करों से साठगांठ में चार पुलिसकर्मी निलंबित

» शहर में बढ़ते नशे के कारोबार पर उठे सवाल, जनप्रतिनिधियों ने बैठक में लगाया था आरोप

गोपनीय जांच में दारोगा समेत चार की काल डिटेल में तस्करों से बातचीत के प्रमाण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर में तेजी से फैल रहे सूखे नशे के कारोबार के बीच पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। गोपनीय जांच में मादक पदार्थ तस्करों से साठगांठ सामने आने के बाद दारोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देश पर की गई है।

सूत्रों के अनुसार, एडीसीपी विशेष अभियान दल की गोपनीय जांच में सामने आया कि अलग-अलग थानों और पुलिस लाइन में तैनात कुछ पुलिसकर्मी मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें बचाने में लगे थे। जांच के दौरान इन पुलिसकर्मियों की काल डिटेल रिपोर्ट खंगाली गई, जिसमें तस्करों से लगातार बातचीत के प्रमाण मिले।

शहर के साकेत नगर स्थित कंजड़नपुरवा, काकादेव, डबल पुलिया, अंबेडकर नगर, शास्त्री नगर और कई मलिन बस्तियों में लंबे समय से गांजा और चरस जैसे सूखे नशे की बिक्री होने की शिकायतें मिल रही थीं। आरोप है कि तस्कर युवाओं और छात्रों को नशे की लत लगाकर उनसे भी इसकी बिक्री करवाने लगे हैं।

इस मुद्दे को लेकर 26 फरवरी को जिले के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई जिला समन्वय समिति की बैठक में भी गंभीर चर्चा हुई थी। बैठक में सांसद रमेश अवस्थी और जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने आरोप लगाया था कि पुलिस की मिलीभगत से शहर में सूखे नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। वहीं विधायक नीलिमा कटियार ने अपने क्षेत्र में महिलाओं के माध्यम से नशे की बिक्री कराने का मुद्दा उठाया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने चारों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार में किसी भी स्तर पर संलिप्तता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार वाहन ने फैक्ट्रीकर्मी को टक्कर मार नाले में गिराया, मौके पर मौत

रावतपुर क्षेत्र में आधी रात हादसा, बाइक समेत उछलकर नाले में जा गिरा युवक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रावतपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक फैक्ट्री कर्मी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक ड्यूटी खत्म कर देर रात बाइक से घर लौट रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह बाइक समेत उछलकर सड़क किनारे नाले में जा गिरा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार कल्याणपुर के मिर्जापुर नई बस्ती निवासी 27 वर्षीय शिवा दादानगर स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। बुधवार रात करीब

12 बजे वह ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। केशवपुरम सिलिंडर चौराहे के पास पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरा।हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक नंबर के आधार पर युवक की पहचान कर उसके परिजनों को जानकारी दी। शिवा के पिता रामसेवक कमल ने बताया कि उनकी पत्नी यशोदा की कई साल पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में तीन बेटियां हैं और सबसे छोटी बेटी करिश्मा की शादी अभी बाकी है। शिवा ही परिवार का इकलौता कमाने वाला था।घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

8 साल का रोजेदार बना सबकी दुआओं का हक़दार

» संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रमज़ानुल मुबारक के 14वें रोज़े पर फ़ेथफुल गंज इलाक़ा उस वक़्त रौशन हो उठा, जब 8 बरस के मासूम ने अपनी ज़िंदगी का पहला रोज़ा रखकर घर-परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले का सर फ़ख्र से बुलंद कर दिया। सीम अहमद के बड़े पुत्र उनैश अहमद अब्बासी ने छोटी उम्र में जिस इस्तिक़ामत के साथ अपना पहला रोज़ा मुकम्मल किया, उसने हर देखने वाले का दिल जीत लिया। इफ़्तार के वक़्त घर का माहौल ईमानी जज़्बात से सराबोर था। अज़ीज़-ओ-अक़ारिब, दोस्तों और मोहल्ले के लोगों का तांता लगा रहा। हर कोई मासूम को मुबारकबाद देने और उसके लिए दुआ करने पहुंचा। बुज़ुर्गों ने दुआओं से नवाज़ा तो हमउम्र बच्चों ने भी उसे गले लगाकर हौसला अफ़ज़ाई की।वालिदैन ने बताया कि बच्चे ने खुद रोज़ा रखने की ज़िद की थी और अल्लाह के करम से पूरे सब्र और हिम्मत के साथ अपना पहला रोज़ा पूरा किया।

हैलट, उर्सुला और कांशीराम अस्पताल की इमरजेंसी में दो दिन मचा रहा हड़कंप

रंग, झगड़े और हादसों में 100 से ज्यादा लोग अस्पताल पहुंचे

होली का हुड़दंग पड़ा भारी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। रंगों और उमंग के पर्व होली पर शहर में मस्ती और हुड़दंग का नजारा तो खूब दिखा, लेकिन कई लोगों के लिए यह उत्सव दर्द और परेशानी का कारण बन गया। रंग खेलने के दौरान हुए विवाद, केमिकल युक्त रंगों का प्रयोग और तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाने के कारण बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। स्थिति यह रही कि दो दिनों के भीतर 119 से अधिक लोग एलएलआर अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराए गए, जिससे अस्पताल की आपात सेवाओं पर अचानक दबाव बढ़ गया।

होली के दिन और उसके अगले दिन इमरजेंसी वार्ड में घायलों की लगातार आमद बनी रही। डॉक्टरों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले सड़क हादसों और केमिकल युक्त रंगों से हुई चोटों के सामने आए। रंगों में मिले रसायनों के कारण 13 लोगों की आंखों में गंभीर कॉर्नियल इंजरी हो गई, जिन्हें तुरंत नेत्र रोग विभाग की इमरजेंसी में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। कई मरीजों ने आंखों में तेज जलन, सूजन और दृष्टि धुंधली होने की शिकायत की।

वहीं दूसरी ओर होली के दिन बिना हेलमेट बाइक चलाने और तेज रफ्तार के कारण हुए हादसों में 27 लोग सिर में गंभीर चोट लगने के कारण न्यूरो सर्जरी विभाग में भर्ती किए गए। इनमें कई मरीजों को सिर में गहरी चोट और बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया। इसके अलावा 13 लोगों की हड्डियां टूटने के कारण उन्हें आर्थोपेडिक विभाग में भर्ती करना पड़ा।

एलएलआर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विकास कटियार ने बताया कि त्योहार को देखते हुए इमरजेंसी में पहले से ही विशेष इंतजाम किए गए थे। अतिरिक्त डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई थी ताकि घायलों का तुरंत इलाज किया जा सके। उन्होंने बताया कि सभी मरीजों को इमरजेंसी के रेड जोन में प्राथमिक उपचार देने के बाद संबंधित विभागों के वार्ड में भर्ती किया गया।

➪ **केमिकल रंगों से आंखें हुईं जख्मी, सड़क हादसों में कई लोगों के सिर फूटे**

अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार चार मार्च को मेडिसिन विभाग में 29, बाल रोग में सात, आर्थो में आठ, चेस्ट विभाग में छह, गायनी में पांच, न्यूरोलॉजी में पांच, न्यूरो सर्जरी में 22 और सर्जरी विभाग में पांच मरीज भर्ती किए गए। वहीं 5 मार्च को भी घायलों की संख्या कम नहीं रही। इस दिन मेडिसिन विभाग में 13, बाल रोग में तीन, आर्थो में पांच, गायनी में पांच, न्यूरोलॉजी में एक और न्यूरो सर्जरी विभाग में पांच मरीज भर्ती किए गए।

शहर के अन्य अस्पतालों में भी होली के दौरान घायलों की संख्या बढ़ी रही। उर्सुला अस्पताल की इमरजेंसी में 22 और कांशीराम चिकित्सालय में 17 घायल भर्ती किए गए। एलएलआर अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक प्रो. सौरभ अग्रवाल ने बताया कि ट्रामा केयर की विशेष व्यवस्था के कारण सड़क हादसों और गंभीर चोटों के मामलों में मरीजों को तुरंत उपचार उपलब्ध कराया गया। रेड जोन को विशेष रूप से ट्रामा मरीजों के लिए सुरक्षित रखा गया था, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें संबंधित वार्डों में भेजा गया। डॉक्टरों का कहना है कि होली के दौरान नशे में वाहन चलाना, बिना हेलमेट बाइक चलाना और केमिकल युक्त रंगों का प्रयोग इस तरह की घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बनता है।

कानपुर में 250 करोड़ का जीएसटी घोटाला

12वीं पास युवकों ने फर्जी कंपनियों से बुना ठगी का जाल, दो गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता

कानपुर। शहर में आर्थिक अपराध का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें महज 12वीं तक पढ़े दो युवकों ने फर्जी कंपनियों का जाल बिछाकर करीब 250 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले को अंजाम दिया। मामले का खुलासा होने के बाद जांच एजेंसियों ने कपिल मिश्रा और अमरदीप को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने सुनियोजित तरीके से कागजी कंपनियों का नेटवर्क तैयार कर सरकार को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया।

जांच एजेंसियों के मुताबिक आरोपियों ने बेरोजगार युवाओं, मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को कुछ हजार रुपये का लालच देकर उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खातों की जानकारी हासिल की। इसके बाद इन दस्तावेजों के आधार पर जीएसटी पोर्टल पर कई फर्जी कंपनियां पंजीकृत करा दी गईं।

इन कंपनियों का वास्तविक दुनिया में कोई कारोबार नहीं था। आरोपियों ने केवल कागजों पर ही माल की खरीद-फरोख्त दिखाने के लिए फर्जी बिल और ई-वे बिल जारी किए। एक फर्जी कंपनी दूसरी फर्जी कंपनी को बिल जारी करती और उसी के आधार पर दूसरी कंपनी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा कर देती। जबकि असल में सरकार के पास कोई टैक्स जमा ही नहीं किया जाता था।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने कई फर्जी कंपनियों को एक चेन नेटवर्क में जोड़ रखा था। इस नेटवर्क के जरिए कंपनियों के बीच लगातार कागजी बिल घुमाए जाते थे, जिससे कारोबार का टर्नओवर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा सके। इसी आधार पर करोड़ों रुपये का फर्जी आईटीसी क्लेम कर लिया जाता था। इसके बाद इस रकम को अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर कई स्तरों पर घुमाया जाता था, जिससे यह धन वैध लेन-देन जैसा दिखाई देने लगे। इस तरीके से आरोपियों ने लंबे समय तक सरकारी राजस्व को चूना लगाया।

➪ **गरीबों के दस्तावेज लेकर बनाई कागजी फर्में, फर्जी बिलिंग के जरिए सरकार को लगाया करोड़ों का चूना**

मामले का खुलासा होने के बाद जांच एजेंसियों ने कई बैंक खातों, जीएसटी पंजीकरणों और संदिग्ध कंपनियों की पड़ताल शुरू कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और घोटाले की रकम इससे भी अधिक हो सकती है। जांच एजेंसियों ने आम लोगों से अपील की है कि वे अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खाते से जुड़ी जानकारी किसी भी अजनबी को न दें। कई आर्थिक अपराधी ऐसे दस्तावेजों का दुरुपयोग कर लोगों के नाम पर फर्जी कंपनियां बनाकर बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं।

दो चचेरे भाइयों, एक बाईक सवार की मौत, हादसों में कई घायल

फर्रुखाबाद में होली के दिन दिखा तेज रफ्तार वाहनों का कहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। होली के दिन तेज रफ्तार वाहनों का कहर देखने को मिला। मोहम्मदाबाद क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के मेंहदियावली के पास तेज रफ्तार बोलेरो कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। यही नहीं अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में कई लोग घायल हो गए। एक युवक के दोनों पैर टूट गए, जबकि अन्य को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ घसिया चिलौली रोड पर एक तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

इस हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बेटे और दामाद गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जौरा निवासी उमेष चंद्र उर्फ झब्बू (45) अपने बेटे योगेश और दामाद उदय राज (निवासी सौरिख) के साथ मोटरसाइकिल से कायमगंज बाजार जा रहे थे। बाइक मेंहदियावली की मजार के पास घसिया चिलौली रोड की ओर मुड़ रही थी, तभी कंपिल की दिशा से आ रही एक अनियंत्रित तेज

चचेरे भाइयों की मौत पर बिलखते परिजन

रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही तीनों बाइक सवार उछलकर काफी दूर जा गिरे, टक्कर लगने से उमेश चंद्र की मौत हो गई वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी बेटी नेहा की शादी एक साल पहले हुई थी और वह होली का त्योहार मनाने के लिए अपने पति उदय राज के साथ मायके आई हुई थी। खुशियों के माहौल के बीच हुए इस हादसे ने परिवार को झकझोर कर रख दिया है।

पुलिस ने राहगीरों और परिजनों की मदद से घायलों को कायमगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उमेश चंद्र को मृत घोषित कर दिया। घायल योगेश और उदय राज का उपचार जारी है। घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इसके अलावा अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में कई लोग घायल हो गए। एक युवक के दोनों पैर टूट गए, जबकि अन्य को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने 6 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

हरियाणा से कर्मवीर सिंह बौद्ध, हिमाचल से अनुराग शर्मा और छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को मौका

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए छह उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद जारी सूची में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ से उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा, तमिलनाडु से एम. क्रिस्टोफर तिलक, तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और वी. नरेंद्र रेड्डी, हरियाणा से कर्मवीर सिंह बौद्ध तथा छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को उम्मीदवार बनाया है।

हरियाणा में कांग्रेस ने दलित समुदाय से आने वाले कर्मवीर सिंह बौद्ध पर दांव लगाया है। वह पूर्व सरकारी अधिकारी हैं और कुछ वर्ष पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। अंबाला निवासी बौद्ध पहले विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला था। राज्यसभा के लिए दलित चेहरे की तलाश के बीच उनका नाम सामने आया और अंततः पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार घोषित कर दिया।

इसे कांग्रेस की दलित नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरे अनुराग शर्मा को उम्मीदवार बनाकर सबको चौंका दिया है। कांगड़ा जिले

के बैजनाथ निवासी अनुराग शर्मा फिलहाल कांग्रेस जिला कमेटी के अध्यक्ष हैं। वह शिमला स्थित विधानसभा परिसर में नामांकन दाखिल करेंगे। संयोग से घोषणा के दिन उनका जन्मदिन भी है, जिससे यह दिन उनके लिए खास बन गया है।

माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की उस रणनीति के तहत यह फैसला लिया गया है, जिसमें राज्यसभा के लिए स्थानीय चेहरे को आगे लाने की बात कही गई थी।वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी को तेलंगाना से राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया गया है। उनके साथ वी. नरेंद्र रेड्डी भी तेलंगाना से उम्मीदवार होंगे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम और तमिलनाडु से एम. क्रिस्टोफर तिलक को मौका दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च को देशभर की 30 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होना है।

तीन करोड़ की सड़क, पानी की निकासी जीरो

» सिविल लाइन में बिना नाली बनी सीसी रोड

» अयोध्या विकास प्राधिकरण पर उठे गंभीर सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के सिविल लाइन क्षेत्र में विकास के नाम पर बड़ा खेल सामने आया है। करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बनी सीसी रोड में जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह नदारद है। निर्माण कार्य कराने वाले अयोध्या विकास प्राधिकरण ने सड़क तो बना दी, लेकिन नाली निर्माण को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना में नाली निर्माण को भी स्पष्ट रूप से शामिल किया गया था। बावजूद इसके, एक भी सड़क पर नाली नहीं बनाई गई। सामने आई चार तस्वीरें इस लापरवाही की गवाही दे रही हैं। स्थानीय निवासी दिलीप कुमार का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित जेई से शिकायत की, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। उन्होंने यह भी बताया कि इसी मार्ग पर एक पूर्व पार्षद का आवास भी स्थित है, फिर भी प्राधिकरण पर किसी दबाव का असर नहीं दिख रहा।

हैरानी की बात यह है कि सीसी रोड बने हुए दो से तीन माह बीत चुके हैं, लेकिन नाली निर्माण अब तक शुरू नहीं हुआ। जबकि अनुबंध के अनुसार

चार माह की समय-सीमा निर्धारित थी। प्राधिकरण के इंजीनियर कभी नाली निर्माण जल्द शुरू होने की बात कहते हैं, तो कभी फाइलों का बहाना बनाकर मामला टाल देते हैं। वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब केवल 25 दिन शेष हैं और इसी दौर में इस तरह की लापरवाही सवालों के घेरे में है। जानकारों का मानना है कि जल्दबाजी में भुगतान और अधूरे कार्यों को पूरा दिखाने की कोशिश की जा रही है। बिना नाली बनी सड़कें बरसात में जलभराव, गंदगी और दुर्घटनाओं को न्योता देंगी। सवाल यह है कि क्या इस लापरवाही पर जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई होगी, या फिर करोड़ों की यह सड़क भी भ्रष्ट सिस्टम की भेंट चढ़ जाएगी?

सम्पादकीय

रंग तन-मन भिगोकर उल्लास रचता पर्व

पर्व–त्योहारों की धरा भारत में, ऋतुचक्र में बदलाव के साथ सामूहिक उल्लास का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है जब प्रकृति भी मुस्करा रही होती है। शीत ऋतु की विदाई से जीवन की जड़ता दूर हो रही होती है। खेतों में खिली सरसों और आम्र मंजरियों की महक मन को आह्लादित कर रही होती है। कोयल की कूक हमें ऋतु परिवर्तन का संदेश दे रही होती है। पूरे वातावरण का उल्लास हमारी चेतना को कुदरती रंगों से सराबोर कर रहा होता है। ऐसे परिवेश में होली से उपजा समरसता का रंग हमारी चेतना को रंगता है। होलिका दहन का संदेश यही है कि कलुष की अग्नि में हमारे मन की नकारात्मकता भस्म हो जाती है। नकारात्मकता की राख के बाद ही फाग के रंग रंगत दिखाते हैं। सही मायने में हिरण्यकश्यप प्रतीक है अन्याय,अहंकार और दंभ का। जिसका अंत निश्चित है। वहीं प्रह्लाद पर्याय है सत्य, समानता और समरसता का। जो अग्नि की कसौटी में नई आभा के साथ बाहर आते हैं। वास्तव में हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद हर हृदय में विद्यमान हैं। ये हमारी सोच, संस्कार और दृष्टि से ही पुष्पित–पल्लवित होते हैं। होली का पर्व हमें रंगों में रंगकर समता का समाज रचता है। जहां कोई ऊंचा–नीचा, बड़ा–छोटा, अमीर–गरीब और गोरा–काला नहीं होता। ये रंग हमारी चेतना से विभेद के सभी कारक हटाकर, मैं से हम की ओर उन्मुख करते हैं। फिर हम सहजता व सरलता के भाव से परिपूर्ण होते हैं। हम तमाम कृत्रिमताओं से मुक्त हो, एक दिन स्वच्छंद मन से जीना चाहते हैं। हम तमाम वर्जनाओं को त्यागकर एक बच्चे की मानिंद मौलिक रूप में मनुष्य हो जाना चाहते हैं। कहीं न कहीं हमारी चेतना मानवता के उच्च स्तर को छूती है। जो प्रकृति के उल्लास और मौसम की उमंग से आह्लादित होती है। हमारा मन स्क्रीन के आभासी टच से निकलकर जीवन के वास्तविक स्पर्श का सुख को हासिल करने को उद्वेलित होता है।सही मायनों में रंगमय होना भी हमें हल्का करता है। ये हल्कापन होली बीत जाने के बाद भी महसूस होता है। दरअसल, आपाधापी के जीवन में हमने इतनी कृत्रिमताएं ओढ़ ली हैं कि जीवन सुख वास्तव में क्या है, हम उसे भोगने से वंचित हो गए हैं। हमारे आस–पड़ोस में संवाद न के बराबर हो गए हैं। हम समाज में विविधता व समावेशी भाव से दूर चले गए हैं। लेकिन जब होली का त्योहार हमें सारी वर्जनाओं से परे वास्तविक जीवन का अहसास कराता है तो हम हल्का महसूस करने लगते हैं। हकीकत यह है कि हमारे समाज में तेजी से बढ़ते मनोकायिक रोगों के मूल में हमारा सहज–सरल जीवन का न जीना है। पर्व–त्योहारों पर जब हम सामूहिक उत्सवों का हिस्सा बनते हैं, तो समरसता का समाज रचा जाता है। एक ताजगी का अहसास करते हैं हम। दरअसल, हमारे जीवन में पैदा होने वाले तनाव की मूल वजह हमारा समाज से अलगाव ही है।

संयुक्त परिवारों के बारे में कहा जाता रहा है कि माता–पिता एक ढाल के रूप में हमारे जीवन के उतार–चढ़ावों को झेल लेते थे। संयुक्त परिवार में सुख–दुख का बांट कर रहना हमें कई तरह के तनावों से मुक्त रखता था।

यही स्थिति हमारे सामाजिक जुड़ाव के रूप में परिलक्षित होती है। होली की सामूहिकता में समावेशिता का भाव पर्व को चेतना के उत्सव में बदल देता है। दरअसल, होली के रंग केवल हमारे शरीर को ही नहीं छूते, बल्कि हमारे सुकोमल अहसासों को भी छूते हैं।

रंगों से मिल-जुल बने एकता का इंद्रधनुष

निरंजन भंडारी

रंगों का संदेश यही है कि हमारा समाज इंद्रधनुषी रंगों से बना है। जब सात रंग आपस में मिल जाते हैं तो इंद्रधनुष बनकर सामने आता है। एकता और सद्भाव से ही कोई समाज बहुरंगी मोहक आभा बिखेरता है। होली...रंगों का संदेश यही है कि हमारा समाज इंद्रधनुषी रंगों से बना है। जब सात रंग आपस में मिल जाते हैं तो इंद्रधनुष बनकर सामने आता है। एकता और सद्भाव से ही कोई समाज बहुरंगी मोहक आभा बिखेरता है। होली का यही मंतव्य है कि हम मनभेद भुलाकर एकता के रंग में रंग जाएं।होली बदरंग हो रही है। ठीक इंसानियत के विघटन की तर्ज पर। संवेदनाओं के क्षरण की माफिक। फ़ितूरी प्रवृत्ति की ओर झुक रही फ़ितरत की भांति। मानो प्रकृति भी मेरी इस राय की ताकीद कर रही है। चंद्रग्रहण की कालिख से होली फ़िकली करते हुए।कहने की जरूरत नहीं है कि होली हमारी समृद्ध संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है। यह हमारे ऋतु चक्र व खेती के उल्लास से जुड़ा त्योहार है। जाति व धर्म के नाम पर अलगाव की सोच को त्यागकर समाज में सद्भावना कायम करना त्योहार का मुख्य मकसद रहा है।

आज वक्त के साथ हमारे समाज में कटुता व टकराव की सोच बढ़ती दिख रही है। पहले समाज में सद्भावना मजबूत करने की बात की जाती थी, मगर अब सद्भावना पैदा करनी पड़ती है। लोगों में छोटी-छोटी बातों को लेकर वैमनस्यता व कटुता बढ़ी है। हमारी एकता अखंडता के लिए खतरा बढ़ा है। हमारी सामाजिक समरसता पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में आज होली जैसे त्योहार का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है, जिसके लिये स्वयंसेवी सामाजिक संगठनों व सरकार की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।आज यह गलत परंपरा विकसित हो रही है कि लोग किसी भी जयंती व त्योहार के अवसर को सिर्फ एक छुट्टी का दिन समझकर उदासीन हो जाते हैं। किसी भी महापुरुष, मसलन उदाहरण के लिए गांधी जी या महावीर जी जयंती हो, उनके आदर्शों को, अपनाने का दिन होता है। हमें उनके आदर्शों का अनुकरण करना चाहिए। मौजूदा दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था में यह सद्भाव व मेल-मिलाप की सीख देने वाले अध्याय गायब होते जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल के अपने-अपने एजेंडे हैं। ये राजनीतिक दल संकीर्ण लाभ के लिए इतिहास के साथ खिलवाड़ तो करते हैं, मगर त्योहारों के मकसद और महापुरुषों के आचरण को अमल में लाने के लिए प्रयास नहीं करते। फिर हमारा समाज भी इस दिशा में निष्क्रिय बना रहता है।हकीकत में होली के त्योहार से जुड़े रस्मो-रिवाजों के अपने गहरे मतलब हैं। वृंदावन में लठमार होली का मतलब स्त्री के महत्व को स्वीकार करने का भाव पैदा करना तो है ही, साथ ही समाज में स्वस्थ हास्य-भाव पैदा करना भी है। सब लोग हंसी-खुशी मिल-जुलकर त्योहार मनाएं, ये मकसद भी होली की परंपराओं का है। यह भी मकसद कि देशभर में लोग होली अच्छे संस्कारों के साथ खेलें। आपस में मिलजुलकर संवेदनशील व्यवहार करें। ताकि हमारे समाज में प्यार-मोहब्बत बढ़े। यह भी कोशिश हो कि समाज में किसी भी तरह का टकराव टाला जाए। इस त्योहार के मौके पर हमारे स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं तथा खिलाड़ियों को समाज में समरसता व सद्भाव के रंगों को चटख बनाने का प्रयास तो करना ही चाहिए। बड़े दुख की बात है कि इस बार वृंदावन से बड़ी संख्या में ऐसी खबरें आने की बात कही जा रही है जब रंग लगाने के बहाने महिला श्रद्धालुओं के साथ अभद्रता की गई। उनके अंगों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ी हैं। आस्था से यह खिलवाड़ बंद होना चाहिए।होली से जुड़ा दूसरा चिंताजनक पक्ष यह है कि देशभर में होली के मौके पर लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ जाती हैं। शोहदे होली के दिन को छेड़छाड़ करने का लाइसेंस मान लेते हैं। नशाखोरी इस त्योहार का सबसे बुरा पक्ष है। लोग तरह-तरह का नशा इस दिन करते हैं। ये हरकतें इस त्योहार के पवित्र मकसद को दूषित करती हैं। कई जगह तो कीचड़ से होली खेलने की परेशान करने वाली खबरें भी सामने आती हैं। कई जगह तैलीय रंग डालने के मामले सामने आते हैं। ये रंग जल्दी से उतरते भी नहीं हैं, जो हमारी त्वचा को खराब करते हैं और काफी प्रयासों के बाद भी साफ नहीं होते।

जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में

रंगपर्व

पुष्परंजन

जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तब वास्तव में हम जीवन को उसकी पूरी विविधता के साथ गले लगाते हैं और शायद यही होली का सबसे गहरा प्रतीकवाद है।होली केवल रंगों से खेलने का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को समझने और स्वीकार करने की एक गहरी सांस्कृतिक दृष्टि है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल तर्क और व्यवस्था से नहीं, बल्कि भावनाओं, विरोधों और संवेदनाओं के रंगों से निर्मित होता है।

जब समाज विचारों की कठोरता, संबंधों की दूरी और संवेदनहीनता के कारण रंगहीन हो जाता है, तब होली जीवन में उल्लास, समरसता और मानवीय ऊष्मा का संचार करती है। रंगों के माध्यम से यह पर्व जीवन के द्वंद्व सुख-दुःख, प्रेम-विरोध, आशा-निराशा को स्वीकार करने की कला सिखाता है और हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में ही निहित है।

यह उत्सव हमें बताता है कि रंग केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना, स्मृतियों और संबंधों का विस्तार है। वसंत के आगमन के साथ मनुष्य के भीतर जमी शीतल उदासियों को पिघलाने का काम होली करती है। जब समाज किसी न किसी कारण से धूसर हो चला हो, संवेदनाओं की थकान, संबंधों की टूटन, या विचारों की कटुता से तब होली जीवन में रंग भरने का साहसिक प्रस्ताव लेकर आती है। यही कारण है कि होली का उत्सव केवल हंसी–खुशी का आयोजन नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक अनुभव भी है। रंगों का दर्शन भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन और गहन है। यहां रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, बल्कि भाव, गुण और चेतना के प्रतीक हैं। लाल रंग ऊर्जा, प्रेम और संघर्ष का संकेत देता है, पीला ज्ञान और वैराग्य का, हरा

जीवन और आशा का, और नीला गहराई व अनंत का। होली इन सभी रंगों को एक साथ उछाल देती है, मानो जीवन के सभी भावों को स्वीकार करने की शिक्षा दे रही हो। यह स्वीकार्यता ही जीवन–दर्शन का मूल है कि जीवन केवल सुख या केवल दु:ख नहीं, बल्कि दोनों का समन्वय है।होली का एक प्रमुख आयाम जीवन का द्वंद्व है। द्वंद्व अर्थात विरोधों का सह–अस्तित्व। सुख और दु:ख, प्रेम और घृणा, जीत और हार– ये सभी जीवन के अनिवार्य रंग हैं। होली में जब लोग एक–दूसरे पर रंग डालते हैं, तो वे अनजाने ही इस द्वंद्व को स्वीकार कर लेते हैं। कोई नहीं पूछता कि कौन अमीर है, कौन गरीब, कौन उच्च है, कौन निम्न। रंग सभी भेदों को ढक लेते हैं। यह क्षणिक समानता हमें याद दिलाती है कि समाज द्वारा खींची गई रेखाएं स्थायी नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। रंगहीन समाज की अवधारणा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और आत्मकेंद्रित सोच ने समाज को भीतर से फीका कर दिया है। लोग जुड़े तो हैं, पर संवादहीन हैं; साथ रहते हैं, पर संवेदनाहीन। ऐसे समाज में होली एक प्रतिरोध का पर्व बन जाती है। यह हमें बाहर निकलकर एक–दूसरे को छूने, हंसने और क्षमा करने का अवसर देती है। रंगहीनता के विरुद्ध रंगों का यह उत्सव एक सांस्कृतिक विद्रोह जैसा है।होली की पौराणिक कथा होलिका दहन भी गहरे प्रतीकवाद से भरी है। यह कथा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि अहंकार के दहन और विश्वास की रक्षा की कथा है। होलिका का जलना और प्रह्लाद का बचना इस बात का संकेत है कि सत्ता, बल और छल अंतत: सत्य और आस्था के सामने टिक नहीं पाते। दहन की अग्नि हमारे भीतर के भय, क्रोध और द्वेष को जलाने का आह्वान करती है, ताकि अगले दिन रंगों के साथ नया जीवन आरंभ हो सके। होली का सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व सामूहिकता का उत्सव है। गांव की गलियों से लेकर महानगरों की छतों तक, लोग एक–दूसरे के करीब आते हैं। पुराने गिले–शिकवे मिटते हैं, नए संबंध बनते हैं। ‘बुरा न मानो, होली है’ केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि क्षमा और उदारता का सामाजिक मंत्र है। यह वाक्य हमें यह सिखाता है कि जीवन में हर बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं; कभी–कभी हंसकर आगे बढ़ जाना भी बुद्धिमानी है।

रंग और उमंग में डूबा बिल्हौर धूमधाम से खेली गई होली

❍ बच्चों की पिचकारियों और युवाओं के डीजे पर थिरकने से बढ़ी रौनक ❍ गली-मोहल्लों में उड़ा अबीर-गुलाल, फाग गीतों से गूंजा माहौल

तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्रा परिवार संग होली मनाते।

कुछ इस अंदाज में होली के रंग खेलते लोग।

डीजे की धुन पर झूमते और नाचते युवा।

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर। तहसील के चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन, बिल्हौर और अरौल क्षेत्र में बुधवार को होली का पर्व पूरे हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह होते ही गली-मोहल्लों और बाजारों में रंगों की धूम मच गई। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई देते नजर आए। ढोलक की थाप और फाग गीतों की गूंज से वातावरण पूरी तरह होलीमय हो गया।

बच्चों में होली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। वे रंग-बिरंगी पिचकारियों से एक-दूसरे पर रंगों की बौछार करते रहे। वहीं युवाओं की टोलियां डीजे की धुन पर झूमती नजर आईं। कई युवाओं ने रंग-बिरंगे मुखौटे और नकली बाल पहनकर त्योहार का आनंद और बढ़ा दिया। लोगों ने इस मौके पर पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गुलाल लगाया और मिठाइयां खिलाकर होली की शुभकामनाएं दीं। घरों में गुजिया, दही-बड़े और अन्य पकवानों की खुशबू से त्योहार की रौनक और बढ़ गई।वहीं तहसील के अधिकारियों ने भी अपनी फैमिली के साथ रंग खेलकर उत्साह पूर्वक होली पर्व मनाया।

कई स्थानों पर दिखी पारंपरिक होली की झलक

क्षेत्र के कुछ स्थानों पर पारंपरिक अंदाज में होली खेलने की झलक भी देखने को मिली। लोगों ने उत्साह के साथ रंगों में सराबोर होकर नाचते-गाते त्योहार का आनंद लिया। कुछ जगहों पर कपड़ा फाड़ होली का भी रंग दिखाई दिया, जहां लोग मस्ती में झूमते नजर आए।

बुजुर्गों ने मर्यादा के साथ त्योहार मनाने की दी नसीहत

त्योहार के दौरान कई बुजुर्गों ने युवाओं से शालीनता और मर्यादा बनाए रखते हुए होली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का पर्व है, जिसे आपसी सद्भाव के साथ मनाना चाहिए। पूरे दिन रंगों, गीतों और खुशियों के माहौल के बीच बिल्हौर में होली का पर्व भाईचारे और आपसी मेलजोल का संदेश देता नजर आया।

"रंगों का पर्व है, उड़ाओ गुलाल तुम..." सुनाकर कवयित्री ने बांधा समां

मंच से काव्य पाठ पढ़ते कवि।

होली मिलन समारोह में उपस्थित नगरवासी।

स्वराज इंडिया ब्यूरो

☛ होली की शाम कवि सम्मेलन में बिखरे हास्य-व्यंग्य के रंग

बिल्हौर। होली के दिन शाम को कस्बा स्थित जूनियर हाईस्कूल परिसर में होली मिलन समारोह एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दूर-दराज से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद मंच से कवियों ने हास्य, व्यंग्य, वीर और श्रृंगार रस की रचनाएं सुनाकर माहौल को काव्य रंग में रंग दिया। समारोह का संचालन कन्नौज के ओम प्रकाश शुक्ल ने किया, जबकि अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक महानारायण पाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में मधुराम शरण शिवा मौजूद रहे।

कवयित्री रिचा मिश्रा ने रंगों का पर्व है, उड़ाओ गुलाल तुमज्अपनी रचना सुनाकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। शिवेश राजा ने वीर रस की ओजपूर्ण पंक्तियों से देशभक्ति का जोश भर दिया। वहीं अरुण तिवारी ने सामाजिक विषयों पर व्यंग्य प्रस्तुत कर श्रोताओं को सोचने पर मजबूर किया। अजय प्रधान ने हास्य गीतों से माहौल हल्का किया और श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम में अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। करीब रात 8 बजे तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे और तालियों की गूंज से पूरा परिसर गूंजता रहा।

होली पर बंदी के बीच अवैध शराब का धंधा, तीन शातिर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

⇨ पुलिस ने की दो स्थानों पर कार्रवाई, अंग्रेजी व देसी शराब की बड़ी खेप बरामद

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर में होली के मौके पर शराब की दुकानों के बंद रहने के बावजूद कुछ लोग अवैध रूप से शराब बेच रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से भारी मात्रा में शराब बरामद की।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि रेलवे स्टेशन के सामने सरकारी शराब की दुकान के आसपास चोरी-छिपे शराब बेची जा रही है। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मौके से दो लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कन्नौज जिले के तालग्राम थाना क्षेत्र के मस्तियापुर गांव निवासी विमलेश कुमार और तिर्वा थाना क्षेत्र के ऐमा गांव निवासी किशनपाल सिंह के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उनके पास से 144 बोतल अंग्रेजी शराब और 24 कैन बियर मिली। इसी दौरान पुलिस ने कस्बे के मुनीश्वर अवस्थी नगर मोहल्ले में भी छापा मारा। यहां मुन्नालाल सविता को उसके घर से अवैध रूप से देसी शराब बेचते हुए पकड़ा गया। उसके पास से 477 क्वार्टर देसी शराब बरामद किए गए।

थाना प्रभारी सुधीर कुमार के अनुसार होली पर्व को देखते हुए पुलिस लगातार निगरानी कर रही थी। अवैध शराब की सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। सभी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इंस्पायर अवार्ड में बिल्हौर इंटर कॉलेज की दो छात्राओं का चयन

स्वराज इंडिया ब्यूरो

⇨ गैस लीकेज डिटेक्टर और स्मार्ट सिंचाई प्रणाली के मॉडल से हासिल की सफलता

⇨ छात्राओं को मिली 10-10 हजार की प्रोत्साहन राशि, विद्यालय में खुशी

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर इंटर कॉलेज की दो छात्राओं का भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित प्रतिष्ठित इंस्पायर अवार्ड मानक 2025-26 के लिए चयन हुआ है। दोनों छात्राओं को अपनी नवाचार परियोजनाओं के लिए 10-10 हजार की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। इस उपलब्धि से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। विद्यालय की कक्षा 10 बी की छात्रा रिया गुप्ता ने "गैस लीकेज डिटेक्टर विद मोबाइल अलर्ट" और प्रिंसिका कटियार ने "सॉइल मॉइश्चर सेंसर का उपयोग कर सिंचाई प्रणाली" विषय पर अभिनव आइडिया प्रस्तुत किया। दोनों परियोजनाओं का मार्गदर्शन विद्यालय के विज्ञान शिक्षक मुकेश कुमार राजपूत ने किया।

विद्यालय के प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव ने इसे संस्था के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। वहीं प्रधानाचार्य सुरजीत सिंह यादव ने छात्राओं और मार्गदर्शक शिक्षक को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। विद्यालय प्रशासन के अनुसार पहली बार इंस्पायर अवार्ड की सूची में एक साथ दो छात्राओं का चयन होना बिल्हौर इंटर कॉलेज के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे पूरे बिल्हौर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

छात्रा रिया गुप्ता छात्रा प्रिंसिका कटियार

मंदिर में तोड़फोड़, मूर्तियां खंडित, गांव में तनाव

सट्टी क्षेत्र के अफसरिया की मड़ैया गांव का मामला, भारी पुलिस बल तैनात

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होली के दिन सट्टी थाना क्षेत्र के अफसरिया की मड़ैया गांव में प्राचीन मंदिर में तोड़फोड़ और देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडित किए जाने की घटना से पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया, जिसके चलते एहतियातन कई थानों की पुलिस तैनात कर दी गई है।गांव निवासी नागूराम रैदास ने सट्टी थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह गांव के प्राचीन हनुमान मंदिर और शिवलिंग की वर्षो से देखरेख करते आ रहे हैं। उनके मुताबिक होली के दिन कुछ अज्ञात लोग मंदिर में घुस आए और वहां स्थापित मूर्तियों को तोड़कर खंडित कर दिया। आरोपियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी।

गुस्साए ग्रामीणों को समझाते पुलिसकर्मी

घटना की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और घटना को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। संगठन के पदाधिकारियों ने इसे धार्मिक आस्था पर हमला बताते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

इस घटना से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। हालात को देखते हुए सट्टी समेत आसपास के कई थानों की पुलिस फोर्स गांव में तैनात कर दी गई है और पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। प्रशासन ने लोगों से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी काली चरण कुशवाहा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रण में है।

पति की संदिग्ध मौत के तीन दिन बाद पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुरुग्राम में पति की 1 मार्च को संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर मौत हो गई थी

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र के ब्राह्मण गांव में एक महिला ने अपने पति की संदिग्ध मौत के तीन दिन बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर दी। घटना से पूरे गांव में शोक और सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, मृतका राम नंदिनी (25) अपने पति राहुल वर्मा (22) के साथ प्रेम विवाह करके रह रही थी। राहुल वर्मा गुड़गांव में प्राइवेट नौकरी करता था, जहां 1 मार्च को संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर उसकी मृत्यु हो गई थी। राहुल वर्मा का शव उसके घर लाया गया और परिजनों ने पुलिस से पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। क्योंकि घटना दूसरे राज्य में हुई थी, शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका और अंततः उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

तीन दिन बाद, बुधवार को होली के अवसर पर गांव में महिलाएं घर पर संवेदना देने आई थीं। इसी दौरान राम नंदिनी घर के अंदर गई और काफी देर बाद जब वह बाहर नहीं आई तो घर वालों ने अंदर जाकर देखा। तब उन्हें वह फांसी पर लटकी मिली। परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में घटना की खबर फैल गई।

सूचना मिलने पर यूपी 112 पुलिस और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कोतवाल शिवनारायण सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी पहलुओं की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि राम नंदिनी और राहुल वर्मा का विवाह प्रेम विवाह था और दोनों परिवारों के बीच कुछ पहले भी तनातनी रही थी। इस घटना ने इलाके में गहरा शोक और चिंता पैदा कर दी है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन पति की संदिग्ध मौत और पत्नी की आत्महत्या के कारणों की पूरी पड़ताल की जा रही है।

स्कूटी सवार बदमाशों ने झपट्टा मार महिला की चेन लूटी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी में फल खरीदते समय बंबा रोड निवासी दूध व्यापारी राकेश त्रिपाठी की पत्नी कुसुम त्रिपाठी के गले से झपट्टा मारकर स्कूटी सवार बदमाश चेन लूट ले गए। पीड़िता का आरोप है कि वारदात की तत्काल सूचना देने के बाद भी पुलिस घंटेभर बाद पहुंची। फिलहाल पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। कुसुम त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि रात करीब आठ बजे वह पनकी रोड चौकी क्षेत्र में महाराणा प्रताप स्कूल के सामने स्थित सब्जी मंडी में फल खरीदने गई थीं। वह ठेले पर फल देख रही थीं तभी पीछे से आए स्कूटी सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन लूटी और भाग निकले। उन्होंने शोर मचाते हुए बदमाशों का कुछ दूर तक पीछा किया लेकिन आरोपी मंडी से केशव वाटिका की ओर भाग निकले। वारदात के दौरान एक फल विक्रेता ने साहस दिखाते हुए लुटेरों पर सेब फेंककर मारने की कोशिश भी की मगर वह बच निकले। महिला का आरोप है कि उन्होंने वारदात के बाद घटनास्थल से सूचना की। फिर भी घंटेभर बाद वहां पर पुलिस पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जिसमें दो स्कूटर सवार संदिग्ध नजर आए हैं।एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार और इंस्पेक्टर संतोष सिंह ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाई गई हैं।

जमवाय माता मंदिर में उल्लास के संग खेली गई भव्य फूलों की होली

» ढोलक और झांझ की थाप पर श्रद्धालु झूमते नजर आए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के ग्राम मलासा स्थित जमवाय माता मंदिर में फूलों की होली का भव्य आयोजन श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आसपास के गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु माता रानी के दर्शन और फूलों की होली में सहभागिता के लिए पहुंचे।

माता रानी का आकर्षक एवं दिव्य श्रृंगार कर विधि-

विधान से पूजन-अर्चन किया गया। गेंदे, गुलाब और विभिन्न सुगंधित पुष्पों से सजे दरबार की छटा देखते ही बन रही थी। आरती के पश्चात ÷जय माता दी÷ के गगनभेदी जयघोष के बीच भक्तों ने एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा कर फूलों की होली खेली। पूरा मंदिर परिसर रंग-बिरंगे फूलों से आच्छादित हो गया और वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो उठा।

भजन-कीर्तन की मधुर स्वर-लहरियों के बीच महिलाएं मंगल गीत गाती रहीं, वहीं युवाओं और बच्चों ने भी पूरे उत्साह से भाग लिया। ढोलक और झांझ की थाप पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कई भक्तों ने इस आयोजन को आध्यात्मिकता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला बताया। मंदिर समिति की ओर से प्रसाद वितरण एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई थी। भीड़ को देखते हुए स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं को संभाला, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता, भाईचारे और पारस्परिक सद्भाव को सुदृढ़ करते हैं। फूलों की होली ने जहां आस्था को और प्रगाढ़ किया, वहीं पूरे गांव में उत्सव का माहौल बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगलकामना की गई। इस अवसर पर जगरनाथ सिंह, रवि सिंह (आगामी युवा प्रधान), शंकर सिंह (पत्रकार), अरविंद सिंह, यशवंत सिंह, झल्लर सिंह, चंद्रमोहन सिंह, दीवान उर्फ बउआ, हकल बउआ, दीपू सिंह, राम पुरी नागा, रामनरेश बाबा जी, कृष्णा सिंह, नीतू सिंह सहित बड़ी संख्या में

जोगीरा सारा रा रा .....के गीतों पर जमकर थिरके हुरियारे

रंगोत्सव पर चढ़ा फगुनियां रंग, टोली में ढोलक की थाप पर फाग गायन करते रहे लोग

एक दूसरे को गुलाल लगाते हुरियारे।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होलिका दहन के बाद बुधवार को रंगोत्सव मनाया गया। सब पर फाल्गुनी रंग खूब चढ़कर बोला। सुबह होते ही लोग हाथों में रंग-गुलाल लिए घरों से निकल पड़े। जिसको जो जहां मिला उसे सराबोर कर दिया। होरियारे टोली में ढोलक की थाप पर फाग गायन करते हुए झूमते रहे।

तेरी बरसे रस की धार आज बरसाने होरी रे, आए खेलन नंद कुमार बरसाने होरी रे। सहित फाग गायन किए जाते रहे। टोलियों पर रंगों की बौछार की जाती रही। शहर कस्बा समेत गांवों में शुक्रवार को दिनभर होली की मस्ती रही। पुखरायां कस्बा में जहां होरियारे

डीघ में फाग गायन करते लोग।

सड़कों पर रंग गुलाल की बौछार करते हुए मस्ती करते रहे। पारंपरिक रूप से दोपहर दो बजे से रंग खेला जाना बंद हो गया। जबकि गांवों में देर शाम तक रंग की बौछार और गुलाल उड़ाया जाता रहा। गांवों में फाग की टोलियां निकलती रहीं। जिसमें ढोलक की थाप पर भावै न भवन जिया जरि जरि जाए बालम परदेशवा में। आ जाओ कन्हैया रंग भरके पिचकारी खेलें हम होरी। बाज रही पैजनियां छमा छम बाज रही पैजनियां.. आदि अवधी, बुंदेली तर्ज पर फाग गायन कर मस्ती में झूमते रहे।

फाग गायन करती युवाओं की टोली।

पुखरायां में होली मिलन समारोह में रंग और उल्लास से झूमा मंदिर परिसर

जनप्रतिनिधियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

कानपुर देहात। बड़े महादेव मंदिर परिसर में मौहर देवी संकीर्तन मंडल की ओर से पारंपरिक होली मिलन समारोह और मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर कस्बा रंग और उल्लास से सराबोर नजर आया। आरएसएस और नगर पालिका की ओर से पंडाल सजाया गया, जिसमें गुलाल, गुझियां और रंग-बिरंगे झूले लगाए गए।

समारोह में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान उपस्थित रहे और उन्होंने लोगों से गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी। मेला में बच्चों ने झूले और खेलों का आनंद लिया, वहीं महिलाएं और पुरुष खरीदारी और विविध गतिविधियों में भाग लेते नजर आए। लोग पंडाल में एक-दूसरे के गुलाल पर टीका लगाकर बधाई देते रहे।

इस अवसर पर कस्बा भ्रमण भी किया गया और लोगों ने बड़े महादेव मंदिर, श्री सिद्धि विनायक मंदिर, संत सुआ बाबा समाधि मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर, शनिदेव मंदिर और मौहर माता मंदिर में पूजन और दर्शन कर होली की खुशियां मनाई।कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि करुणा शंकर दिवाकर, पूर्व जिलाध्यक्ष राहुलदेव अग्निहोत्री, मलासा ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र पासवान, मदन मिश्र, ऋषि गुप्ता, आरएसएस के जिला सहकार्यवाह रवि द्विवेदी, जिला सह बौद्धिक प्रमुख श्याम बाबा, नगर कार्यवाह शिवाजी, सहकार्यवाह डॉ. अभयदीप, विवेक शुक्ला सहित कस्बा और क्षेत्र के कई लोग उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित लोगों ने पारंपरिक गीत-संगीत और रंगों के साथ होली का उत्सव मनाया, जिससे पूरे इलाके में भाईचारे और आपसी प्रेम का संदेश गया।

होली: यातायात प्रभारी की सराहनीय पहल, कर्मियों संग बांटी खुशियाँ

» त्योहार हमें एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना को और करते मजबूत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रंगों और उल्लास के पर्व होली के अवसर पर जनपद की यातायात शाखा में भी उत्साह और आपसी भाईचारे का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर यातायात प्रभारी ने अपने समस्त अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर होली पर्व की खुशियाँ साझा कीं और सभी को पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।होली के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में यातायात प्रभारी स्वयं उपस्थित रहे और सभी पुलिसकर्मियों को मिष्ठान वितरित कर उन्हें होली की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है। ऐसे त्योहार हमें एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान यातायात शाखा के

अधिकारियों व कर्मचारियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं और पर्व की खुशियाँ साझा कीं। यातायात प्रभारी ने कहा कि पुलिसकर्मी हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समाज की सेवा में लगे रहते हैं। ऐसे में त्योहारों के अवसर पर आपसी मिलन और सौहार्द का यह छोटा सा प्रयास कर्मचारियों के बीच आत्मीयता और एकजुटता को मजबूत करता है। उन्होंने सभी को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से होली मनाने का संदेश भी दिया।

पुखरायां बाईपास पर हादसा: भाजपा नेता के परिवार के तीन लोग घायल

» स्कूटी को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, कार चालक फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां बाईपास पर बुधवार को होली के दिन एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने स्कूटी सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में भाजपा जिला अध्यक्ष रेणुका सचान के देवर सुधीर सचान, देवरानी उपमा सचान और भतीजा शुभ घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।सुधीर सचान अपनी पत्नी उपमा सचान और पुत्र शुभ के साथ स्कूटी से होली मिलन समारोह में जा रहे थे। उपमा सचान स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं, जबकि सुधीर तमिलनाडु की एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं।

उनका पुत्र शुभ पुखरायां के बीकेएलडी स्कूल, अल्लापुर में कक्षा 12 का छात्र है। हादसा कानपुर-झांसी हाईवे के बाईपास जरैलापुर मोड़ पर हुआ।

अचानक सामने से आए अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सुधीर और उपमा को मामूली चोटें आईं, लेकिन पुत्र शुभ गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक जांच में उसके कंधे में फ्रैक्चर पाया गया।घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिला अध्यक्ष रेणुका सचान मौके पर पहुंचीं। उनके साथ कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, पूर्व विधायक विनोद कटियार, पूर्व जिलाध्यक्ष राहुल देव अग्निहोत्री सहित कई पार्टी कार्यकर्ता भी घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को पुखरायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने शुभ की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हाइवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र, विवेकानंद नगर। नेशनल हाइवे पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें पुखरायां कस्बा के मालवीय नगर निवासी अवधेश उर्फ कल्लू (45) पुत्र मुंशीलाल की मौत हो गई। अवधेश अपनी मोटरसाइकिल से भोगनीपुर की ओर जा रहे थे कि तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि वह घटनास्थल पर ही बेहोश हो गए।

मौके पर स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज पुखरायां अमरेंद्र प्रताप सिंह ने घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोग सदमे में आ गए। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुटी है।

हाफिज शाहिद चिश्ती को उमरा पैकेज देकर किया सम्मानित

कबीर नगर क्षेत्र में एक अनूठी और सराहनीय पहल देखने को मिली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। रमजान के मुकद्दस महीने में कस्बे के कबीर नगर क्षेत्र में एक अनूठी और सराहनीय पहल देखने को मिली। तरावीह की नमाज में कुरआन शरीफ मुकम्मल होने पर मुस्लिम समाज के लोगों ने कुरआन सुनाने वाले हाफिज का गर्मजोशी से इस्तकबाल किया और उन्हें उमरा करने का पैकेज भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर क्षेत्र में खुशी और धार्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कस्बे के नेहरू नगर स्थित जामा मस्जिद में रमजान के दौरान हर वर्ष की तरह इस बार भी तरावीह की नमाज में कुरआन शरीफ मुकम्मल किया गया। जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज शाहिद चिश्ती ने पूरे रमजान में तरावीह के दौरान कुरआन शरीफ सुनाया। कुरआन मुकम्मल होने पर स्थानीय लोगों ने मास्टर मोहम्मद इसरार के आवास पर एक कार्यक्रम आयोजित कर हाफिज शाहिद चिश्ती का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें उमरा करने का पैकेज भेंट कर सम्मानित किया।

इस मौके पर हाफिज शाहिद चिश्ती ने कहा कि रमजान का महीना इबादत, रहमत और बरकत का महीना है। इस महीने में मुसलमान ईशा की नमाज के साथ तरावीह अदा करते हैं और कुरआन शरीफ सुनते हैं।

उन्होंने कहा कि अल्लाह के रसूल हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया है कि हर मुसलमान को रमजान के महीने में कम से कम एक बार तरावीह में कुरआन मजीद मुकम्मल सुनना चाहिए। यह अल्लाह के रसूल की सुन्नत भी है और एक बड़ी इबादत भी। कार्यक्रम के अंत में हाफिज शाहिद चिश्ती ने उमरा पैकेज देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और सभी के लिए दुआ की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और उन्होंने भी हाफिज को मुबारकबाद दी।

इस मौके पर प्रमुख रूप से मौलाना नायाब अजहरी, गुलाम मुरसलीन, कुतुबुद्दीन रजबी, हाजी महताब, फैजान खान, अतहर खान भुट्टो, सभासद फरहान मिनी, मास्टर मो. इसरार, वसीम अहमद, सलमान खान, मुबीन सिद्दीकी राजा, रिहान, गुड्डू अली, इमरान अली, तौसीफ सिद्दीकी, आजाद अली, अकील खान, अकरम वारसी, शाहरुख मंसूरी, अरबाज सिद्दीकी, समीद अली, फैसल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

फाग गीतों और रंगों की मस्ती में सराबोर रहा रसूलाबाद क्षेत्र

» ग्रामीण क्षेत्रों में होरियारों का हुआ जोरदार स्वागत, घर-घर खिलाई गई गुजिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। क्षेत्र में होली का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष होलिका दहन के अगले दिन चंद्र ग्रहण के सूतक काल के कारण रंग खेलने का कार्यक्रम एक दिन बाद मनाया गया, जिसके चलते बुधवार को पूरे क्षेत्र में रंगों की बौछार और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ग्रामीण इलाकों में होली की पारंपरिक फाग गायन की परंपरा विशेष रूप से जीवंत दिखाई दी। गांव-गांव में होरियारों की टोलियां ढोलक और मजीरों की थाप पर फाग गीत गाते हुए घर-घर पहुंचीं, जहां

लोगों ने उनका स्वागत कर अबीर-गुलाल लगाया और मिठाइयों से सत्कार किया। कई स्थानों पर होली के पारंपरिक भजन और गीतों से माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना रहा।कुछ जगहों पर युवा डीजे की धुनों

पर भी झूमते नजर आए। जानकारों का कहना है कि नई पीढ़ी का फाग गायन से धीरे-धीरे दूर होना हमारी पुरानी लोक संस्कृति के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। दोपहर बाद ग्रामीण क्षेत्रों में लोग एक-दूसरे के घर पहुंचकर बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेते रहे और रंग-अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं देते रहे। घर-घर परंपरागत पकवान जैसे गुजिया और मिठाइयों से मेहमानों का स्वागत किया गया। वहीं रसूलाबाद कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर होलिका दहन किया गया और लोगों ने पूरे उत्साह के साथ रंगों का त्योहार मनाया। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस की ओर से क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग की गई, जिससे कहीं भी रंग में भंग नहीं पड़ने दिया गया।

अलीगढ़: होली के रंग में हिंसा फायरिंग और पथराव से सनसनी

रंग डालने को लेकर महिलाओं में कहासुनी, युवक ने छत से की अधाधुंध फायरिंग

» वहां से गुजर रहे जसवंत नामक राहगीर के बाजू में भी छर्रे लगे

» आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी का घर घेरा, पुलिस पर पथराव में दरोगा गंभीर घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अलीगढ़। अलीगढ़ के मडराक थाना क्षेत्र के पड़ियावाल गांव में होली के दिन रंग खेलने को लेकर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दो पड़ोसी पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट, फायरिंग और पथराव तक पहुंच गई। घटना में गोली के छर्रे लगने से दो लोग घायल हो गए, जबकि पुलिस पर पथराव में एक दरोगा का सिर फट गया।

पुलिस के अनुसार गांव निवासी मनीष वार्ष्णेय और कैलाश के घर आमने-सामने हैं। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे होली खेलते समय रंग डालने को लेकर दोनों पक्षों की महिलाओं में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और पुरुष भी इसमें शामिल हो गए। इसी दौरान कैलाश गुस्से में अपने घर की छत पर चढ़ गया और वहां से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।फायरिंग में छर्रे लगने से मनीष वार्ष्णेय के सीने में चोट लग गई और वह जमीन पर गिर पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहे जसवंत नामक राहगीर के बाजू में भी छर्रे लग गए। गोलीबारी से गांव में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी के घर को घेर लिया। गुस्साए लोगों ने पथराव शुरू कर दिया और गेट तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की।

सूचना मिलने पर मडराक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। इस दौरान भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव कर दिया, जिसमें एसएसआई धर्मपाल सिंह घायल हो गए। हालात बिगड़ते देख वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा और फायरिंग करने वाले आरोपी कैलाश को घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया।

इसके अलावा 12 उपद्रवियों को भी पकड़कर थाने ले जाया गया। घायलों को आगरा रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस का कहना है कि गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पथराव करने वाले अन्य लोगों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

होली पर दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। होली के त्योहार पर आपसी कहासुनी होने पर घर में घुसकर दबंगों ने पूरे परिवार के साथ मारपीट करने पर आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं सभी घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है ।थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ढुइयाँ मोहल्ला में दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट कर हिंसक घटना को अंजाम दिया है, घटना में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं घायलों का मेडिकल परीक्षण के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना में घायल शिवम्, राजवीर, सर्वेश, पुत्री करीना व मां मुन्नी देवी शामिल हैं। घायल के भाई जनवेश ने बताया कि शिवम् जब सब्जी खरीदकर घर लौट रहे थे, तभी अंकुल, चंदन और उनके साथियों ने अचानक हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के साथ टिर्री चढ़ाने का प्रयास किया। परिजनों का कहना है कि विवाद के बाद आरोपी घर में घुस आए और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की। मुन्नी देवी ने बताया कि होली पर हुई इस घटना से परिवार में दहशत का माहौल है। घायलों को लिंजीगंज अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल लोहिया भेजा गया।

अखिलेश का तंज: सिर्फ कपड़े पहनने से कोई योगी नहीं बन जाता

» पैतृक गांव में कार्यकर्ताओं संग खेली फूलों की होली

» पीडीए को एकजुट होकर सरकार बनाने का आह्वान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को अपने पैतृक गांव सैफई में पार्टी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ होली मनाई। इस दौरान उन्होंने फूलों की होली खेलते हुए कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया और पीडीए को एकजुट होकर सरकार बनाने का आह्वान किया।सैफई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने कई मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हर उस व्यक्ति के साथ खड़ी है जो उत्पीड़ित, परेशान या अपमानित महसूस करता है। उन्होंने प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को कथित रूप से पवित्र स्नान से रोके जाने के विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि इससे सनातन परंपरा का अपमान हुआ है और पीडीए समाज ऐसे हर व्यक्ति के साथ खड़ा रहेगा जिसका सम्मान आहत हुआ है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि गीता में कहा गया है कि जो दूसरों के दुख को अपना दुख समझे वही सच्चा योगी होता है। सिर्फ विशेष कपड़े पहन लेने से कोई योगी नहीं बन जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले को सुलझाने के बजाय अहंकारपूर्ण रवैया अपनाया और षड्यंत्रपूर्ण तरीके से मुकदमे दर्ज कराए।अखिलेश यादव ने अर्थव्यवस्था और विदेश नीति पर भी सवाल उठाए। मुख्यमंत्री की हालिया जापान यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बड़े-बड़े निवेश समझौतों का दावा कर रही है, जबकि जनता को उसका वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तकनीक और सोशल मीडिया के दौर में सच तेजी से सामने आ जाता है और जनता सब देख रही है।सपा प्रमुख ने अंत में कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और अब मौजूदा सरकार का समय समाप्त हो चुका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर पीडीए के संदेश को मजबूत करें और आगामी चुनाव में नई सरकार बनाने की तैयारी करें।

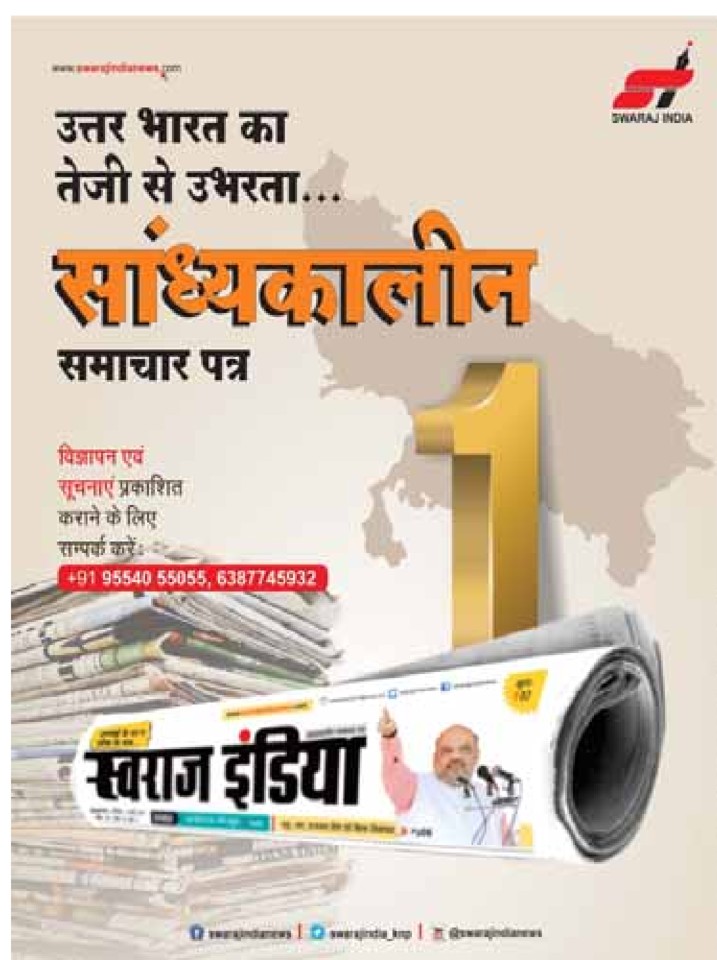

अयोध्या

अयोध्या में बेटियों की कमाई पर डाका

सुमंगला कन्या योजना में सामने आया 60 लाख का घोटाला

» अफसरों की चुप्पी और सिस्टम की शर्मनाक हार

» जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच समिति ने खोली पोल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या में कन्या सुमंगला योजना के नाम पर हुए घोटाले ने सरकारी तंत्र की सड़ांध को एक बार फिर उजागर कर दिया है। बेटियों के भविष्य के लिए बनी योजना में अब तक 60 लाख 36 हजार रुपये की बंदरबांट सामने आ चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अफसर अब भी मौन साधे बैठे हैं। यह घोटाला जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्विनी कुमार तिवारी के कार्यालय से जुड़ा है, जहां से जारी सूचियों के आधार पर वर्षों तक गड़बड़ी चलती रही।

जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे के निर्देश पर गठित जांच समिति ने साफ कहा है कि कमजोर निगरानी और डिजिटल सिग्नेचर पर लापरवाही ने इस संगठित गबन को जन्म दिया। समिति के अध्यक्ष अमित कुमार भट्ट, सदस्य ममता सिंह और गिरीश पाठक की रिपोर्ट ने कई अफसरों की भूमिका को संदिग्ध बताया है।हैरानी की बात यह है कि सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट में पहले ही 15 लाख रुपये की गड़बड़ी उजागर हो चुकी थी और एफआईआर भी दर्ज हुई थी, फिर भी फर्जी खातों में पैसा ट्रांसफर होता रहा। यह लापरवाही नहीं, बल्कि संरक्षण का संकेत है। मामले को लेकर विधायक रामचंद्र यादव और डॉ. अमित सिंह चौहान पहले ही शासन से शिकायत कर चुके हैं। अब सवाल यह है कि क्या सरकार सिर्फ रिकवरी कर मामले को रफा-दफा करेगी, या फिर दोषियों को जेल तक पहुंचाएगी? बेटियों के हक पर हुआ यह डाका, सिस्टम की संवेदनहीनता और भ्रष्टाचार का सबसे काला चेहरा बन चुका है।

रंग, राग और रूहानियत से सजी अयोध्या की होली, भाईचारे का दिया संदेश

गलियों से लेकर प्रमुख मठ-मंदिरों तक फगुआ गीतों की मधुर धुन गूंजती रही

संतों के संग इकबाल अंसारी ने होली खेलकर दिखाया आपसी सौहार्द

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अवध की पावन धरती अयोध्या बीती होली पर रंगों, राग और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर नजर आई। रामनगरी की गलियों से लेकर प्रमुख मठ-मंदिरों तक फगुआ गीतों की मधुर धुन गूंजती रही।भक्तिभाव और परंपरा के संग मनाई गई होली ने सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया।

राम मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में पुष्प होली, अबीर-गुलाल और प्रभु के विशेष श्रृंगार ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। मंदिर प्रांगण रंग-बिरंगे आंगनों, ढोल-मंजीरे की थाप और होरी खेलैं रघुवीरा अवध में जैसे पारंपरिक गीतों से भक्तिमय हो उठे।

स्वराज इंडिया से बातचीत में बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा कि अयोध्या की होली आपसी भाईचारे का प्रतीक है, जहां लोग एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक अबीर-गुलाल लगाकर पर्व मनाते हैं। श्रद्धालुओं ने प्रभु के चरणों में गुलाल अर्पित कर सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

मोहल्लों में हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग गले मिलते हुए होली मुबारक और रंगों की शुभकामनाएं कहते नजर आए। यह दृश्य गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता की जीवंत मिसाल बना। अवध की होली की विशेषता उसकी सौम्यता और सौहार्द है, जहां रंग केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और भाईचारे का संदेश भी बन जाते हैं। बीती होली पर अयोध्या ने एक बार फिर देश को सांस्कृतिक समरसता का प्रेरक उदाहरण दिया।

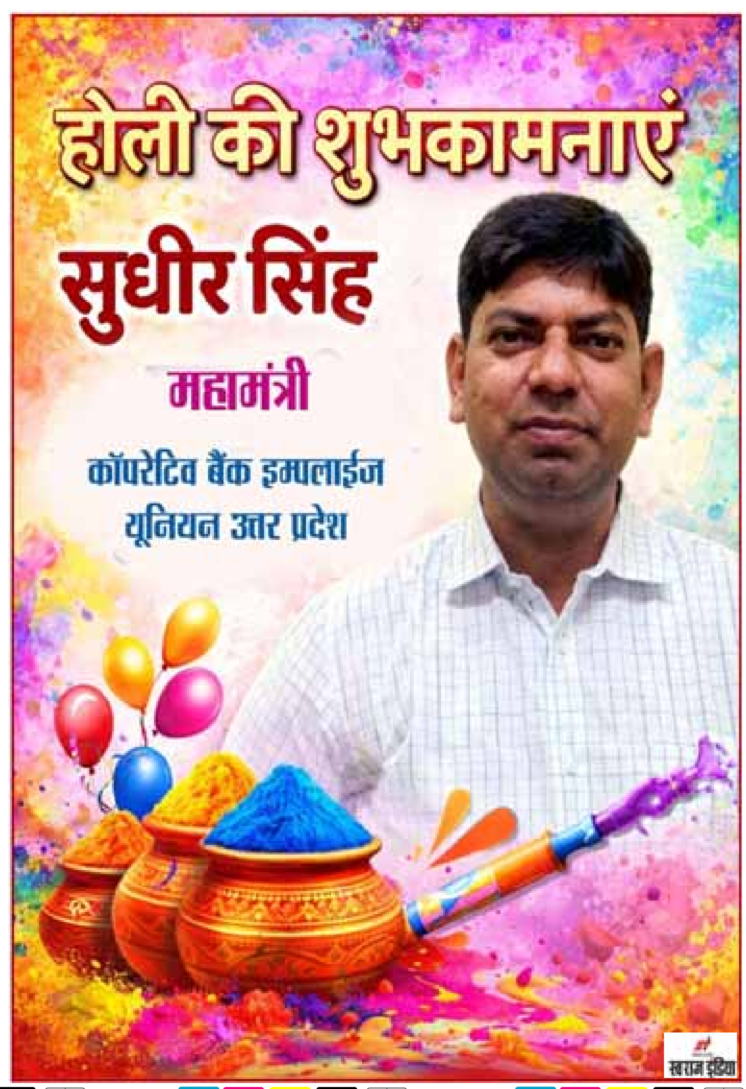

हिंद महासागर में अमेरिकी टॉरपीडो हमला ईरानी युद्धपोत 'आईआर देना' डूबा

श्रीलंका तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पनडुब्बी से हमला, 87 नौसैनिकों की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। हिंद महासागर के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में बुधवार को एक गंभीर सैन्य मुठभेड़ में अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने ईरान के युद्धपोत 'आईआर देना' पर टॉरपीडो से हमला कर उसे समुद्र में डुबो दिया। इसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की एक बड़ी समुद्री सैन्य कार्रवाई माना जा रहा है, जब किसी दुश्मन जहाज को डुबाने के लिए टॉरपीडो का इस्तेमाल किया गया।

बताया गया कि ईरानी युद्धपोत हाल ही में भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 'मिलन-2026' बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास में भाग लेकर ईरान लौट रहा था। श्रीलंका के दक्षिणी तट से लगभग 40 समुद्री मील दूर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अमेरिकी पनडुब्बी ने घात लगाकर जहाज को निशाना बनाया। टॉरपीडो से हुए भीषण विस्फोट के बाद जहाज कुछ ही मिनटों में समुद्र में समा गया।प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार हादसे में 87 ईरानी नौसैनिकों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि लगभग 60 अन्य लापता बताए जा रहे हैं। वहीं श्रीलंकाई नौसेना ने त्वरित बचाव अभियान चलाकर समुद्र से 32 घायल नौसैनिकों को सुरक्षित निकाल लिया, जिन्हें गाले के करापिटिया शिक्षण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए की गई। रक्षा विशेषज्ञों ने इस अभियान को 'शांत मौत' नाम दिया है, क्योंकि हमले के दौरान हमलावर पनडुब्बी का पता ईरानी रडार नहीं लगा सके।इस घटना के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे संभावित बड़े सैन्य संघर्ष की आहट के रूप में देखा जा रहा है।

मोजतबा खामेनेई

ईरान हमले पर अमेरिका-ब्रिटेन में दरार

ईरान के खिलाफ हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद अमेरिका और ब्रिटेन के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के रुख की आलोचना करते हुए कहा कि दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का कमजोर पड़ना बेहद दुखद है।एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमले के समय ब्रिटेन की शुरुआती हिचकिचाहट निराशाजनक रही। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस अभियान के लिए ब्रिटेन की मदद की जरूरत नहीं थी, लेकिन पुराने सहयोगी का इस तरह दूरी बनाना अप्रत्याशित है। वहीं कीर स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन ने अमेरिका और इजरायल द्वारा तेहरान पर किए गए हमलों में सीधे तौर पर हिस्सा नहीं लिया। उनका कहना है कि किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए स्पष्ट योजना और मजबूत कानूनी आधार जरूरी होता है। हालांकि बाद में ब्रिटेन ने सीमित और रक्षात्मक उद्देश्य से अमेरिकी सेना को अपने सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति दे दी।विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह तनाव बढ़ता है तो इसका असर पश्चिमी देशों के सैन्य गठबंधन नाटो और मध्य-पूर्व की सुरक्षा स्थिति पर भी पड़ सकता है।

मिलन-2026 नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था युद्धपोत, 60 लापता; 32 को श्रीलंकाई नौसेना ने बचाया

अब ईरान के सर्वोच्च नेता, मोजतबा खामेनेई

मध्य पूर्व के शक्तिशाली देश ईरान से बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका और इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच देश की शक्तिशाली धार्मिक संस्था असेम्बली ऑफ एक्सपर्ट्स (विशेषज्ञों की परिषद) ने मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता चुन लिया है। यह फैसला पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामनेई के निधन के बाद लिया गया बताया जा रहा है कि 88 सदस्यों वाली इस प्रभावशाली धार्मिक परिषद ने सर्वसम्मति से मोजतबा खामेनेई के नाम पर मुहर लगाई। इसके साथ ही ईरान की सत्ता में दशकों बाद बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। अब तक पर्दे के पीछे प्रभावशाली भूमिका निभाने वाले मोजतबा खामेनेई को सत्ता का प्रमुख केंद्र माना जाता रहा है।1969 में मशहद में जन्मे मोजतबा खामेनेई ने क़ोम के धार्मिक मदरसों में शिक्षा प्राप्त की। हालांकि उनके पास औपचारिक रूप से अयातुल्ला की धार्मिक उपाधि नहीं है। वर्ष 1980 के दशक में (ईरान-इराक युद्ध) के दौरान उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई और सेना व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ईरानी क्रांतिकारी गार्ड बल) के अधिकारियों से मजबूत संबंध बनाए।विश्लेषकों का मानना है कि ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति का मूल आधार राजशाही और वंशवाद का विरोध था। ऐसे में मोजतबा खामेनेई का चयन कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा अंतरराष्ट्रीय तनाव और आंतरिक चुनौतियों के बीच ईरान का सत्ता प्रतिष्ठान स्थिरता और निरंतरता बनाए रखना चाहता है।

मंदिर भूमि कब्जे पर मद्रास हाईकोर्ट का सख्त रुख

'भगवान के पास वोट देने का अधिकार नहीं है तो...'

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मद्रास। मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण के मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने प्रशासनिक अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि भगवान के पास भले ही वोट देने का अधिकार नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनकी संपत्ति पर कब्जा करने वालों को यूं ही छोड़ दिया जाए। अदालत सात वर्ष पुराने आदेश के बावजूद अतिक्रमण न हटाने पर नाराजगी जता रही थी।

यह मामला तमिलनाडु के करूर जिले स्थित बालसुब्रमण्यम स्वामी मंदिर की भूमि से जुड़ा है। न्यायमूर्ति पी. वेलमुरुगन और न्यायमूर्ति बी. पुगलेंधी की पीठ वर्ष 2024 में ए. राधाकृष्ण द्वारा दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान करूर के उप पुलिस अधीक्षक की ओर से पेश रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2025 में कई बार अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन स्थानीय सांसद, राजनेताओं और अन्य लोगों के विरोध के कारण कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। अदालत ने जब कब्जाधारियों की जानकारी मांगी तो सामने आया कि अतिक्रमणकारियों में 27 सरकारी अधिकारी, 49 उद्योगपति और 38 प्रभावशाली लोग शामिल हैं।

- सात साल बाद भी अतिक्रमण न हटाने पर अधिकारियों को कोर्ट की फटकार
- सरकारी अफसरों, उद्योगपतियों और प्रभावशाली लोगों के नाम आए सामने

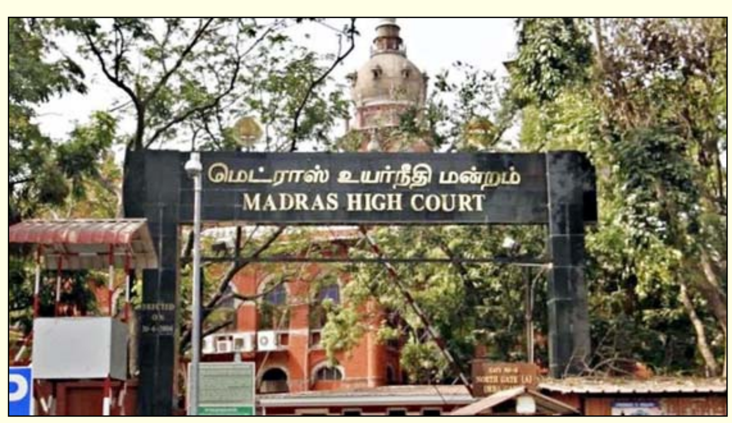

इस जानकारी पर अदालत ने कहा कि मंदिर की जमीनें राज्य की व्यावसायिक संपत्ति नहीं हैं, बल्कि श्रद्धालुओं द्वारा धार्मिक और धर्मार्थ कार्यों के लिए दान की गई पवित्र संपत्तियां हैं। यदि ये संपत्तियां लगातार कम हो रही हैं तो यह केवल कागजी गड़बड़ी नहीं, बल्कि व्यवस्था के कमजोर होने का संकेत है।पीठ ने यह भी कहा कि कानून भगवान को एक विधिक व्यक्ति मानता है और केवल इसलिए कि वह चुनाव में भाग नहीं लेते, उन्हें उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने सिविल अदालतों को निर्देश दिया कि मंदिर भूमि से जुड़े सभी मामलों का निस्तारण यथासंभव छह महीने के भीतर किया जाए। साथ ही राज्य प्रशासन और पुलिस से अपेक्षा जताई कि वे संवैधानिक दायित्व के साथ सख्ती से कार्रवाई करें। बाद में अदालत ने अवमानना याचिका का निस्तारण कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com